AMAR UJALA MY CITY PAGE 1 & 5

विदेशी छात्रों को भाया लविवि, 800 पंजीकरण

माई सिटी रिपोर्टर

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में विदेशी छात्रों का रुझान काफी बढ़ा है। पिछले तीन सालों से लगातार हर साल इनकी संख्या में वृद्धि हुई है। नए सत्र 2022-23 में अब तक लगभग 800 विदेशी छात्र पंजीकरण करा चुके हैं, जिनकी प्रवेश प्रक्रिया पूरी की जा रही है।

विवि में प्रवेश के लिए ऑनलाइन आवेदन करने की तिथि भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद (आईसीसीआर) ने 31 मई तक बढ़ा दी थी। इस क्रम में इसके माध्यम से 766 विदेशी छात्रों ने विभिन्न पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए आवेदन किया है। खास बात यह है कि इनके अतिरिक्त लगभग 35 विद्यार्थियों ने स्वयं सेल्फ फाइनेंस कटेगरी में विभिन्न पाठ्यक्रमों के लिए आवेदन किया है। इसमें छात्रों की संख्या अभी और बढ़ने की संभावना है, जबकि बीते वर्षों में स्ववित्तपोषित कोर्सों में आवेदनों की संख्या अपेक्षाकृत कम रहती थी।

50 से अधिक देशों के छात्रों की पसंद बना विश्वविद्यालय

- वर्ष 21-22 में थे 600 आवेदन

पिछले तीन सालों से लगातार बढ़ रही यूनिवर्सिटी में छात्रों की संख्या

विश्वविद्यालय प्रशासन के अनुसार वर्ष 2020-2021 में 70 विदेशी छात्रों का एडमिशन हुआ था, जबकि वर्ष 2021-2022 में लगभग 600 छात्रों ने आवेदन किया था। इसमें से 250 छात्रों के आने की संभावना थी, लेकिन कोरोना के कारण जुलाई-अगस्त में अंतरराष्ट्रीय उड़ाने बंद रहीं और सिर्फ 38 छात्र ही आ पाए। इस बार स्थिति सामान्य होने के बाद फिर काफी संख्या में विद्यार्थी प्रवेश के लिए आए हैं। कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने कहा कि हमने विवि में अंतरराष्ट्रीय छात्रों को बेहतर सुविधा व अवसर दिया है। उनके अकादमिक, भावात्मक व अन्य विकास के लिए भी निरंतर प्रयासरत हैं। शोध व शिक्षण के बेहतर अवसर के कारण आवेदनों में लगातार वृद्धि हो रही है।

इन देशों से आए आवेदन

निदेशक अंतरराष्ट्रीय सहयोग प्रो. आरपी सिंह ने बताया कि इस बार जापान, मालदीव, जांबिया, थाईलैंड, बुरुंडी, लिथुआनिया, गिनी, मडागास्कर, कोमोरोस, इथियोपिया, मोरक्को, लाओस, मॉरिशस, सूडान, मलावी, इंडोनेशिया, नेपाल, बांग्लादेश, तंजानिया, वियतनाम, सीरिया, केन्या, तुर्कमेनिस्तान, चाड, लेसोथो, गैंबिया, सोमालिया, जॉर्डन, यमन, यूगांडा, लाइबेरिया, घाना, बोत्सवाना, रवांडा, कंबोडिया, श्रीलंका, नाइजीरिया, अंगोला, सिएरा लीओन, उज्बेकिस्तान, तजाकिस्तान, ईरान, इराक, त्रिनिदाद और टोबैगो, मोजांबिक अफगानिस्तान आदि 50 देशों से आवेदन आए हैं। सबसे ज्यादा आवेदन अफ्रीकी देशों से आए हैं।

यहां से पहली बार आवेदन

प्रो. सिंह ने बताया कि इस बार तुर्कमेनिस्तान, लिथुआनिया, गिनी, कोमोरोस, उज्बेकिस्तान, त्रिनिदाद और टोबैगो, अंगोला, सिएरा लीओन जैसे देशों से पहली बार आवेदन मिले हैं। इतना ही नहीं इस बार विवि के लगभग सभी संकायों में आवेदन आए हैं।

लविवि : 15 नए शिक्षक मिले

15 को मिली प्रोन्नति, नई नियुक्तियों पर कार्य परिषद ने लगाई मुहर

माई सिटी रिपोर्टर

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में चल रही नियुक्तियों के क्रम में मंगलवार को कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय की अध्यक्षता में हुई कार्य परिषद की बैठक में लिफाफे खोले गए। विभिन्न विभागों में विभिन्न ग्रेड के 15 नए शिक्षकों की नियुक्ति व 15 के प्रमोशन को हरी झंडी दी गई। वहीं 80 संविदा कर्मचारियों को रखने समेत वित्त समिति के अन्य प्रस्ताव भी पास किए गए।

विवि प्रशासन की सूचना के अनुसार एसोसिएट प्रोफेसर के तीन, असिस्टेंट प्रोफेसर 12 तथा सेल्फ फाइनेंस में एक असिस्टेंट प्रोफेसर की नई नियुक्ति की गई। वहीं, वनस्पति विज्ञान विभाग में सात, जंतु विज्ञान विभाग में छह, मध्यकालीन व आधुनिक भारतीय इतिहास विभाग में दो शिक्षकों को कॅरिअर एडवांसमेंट योजना के तहत पदोन्नति दी गई। उधर, विभागों में बायोमीट्रिक हाजिरी लगाने के बजट को भी कार्य परिषद ने पास किया है।

15 तक जमा करें सेमेस्टर शुल्क

लविवि प्रशासन ने सत्र 2021-22 के एलएलबी, इंजीनियरिंग तथा आईएमएस के छात्रों को छोड़कर अन्य सभी कोर्सों के चौथे, छठे, आठवें व 10वें सेमेस्टर के छात्रों को बिना फाइन सेमेस्टर शुल्क यूडीआरसी पोर्टल पर जमा करने का अब 15 जून तक मौका दिया है। इससे पूर्व संबंधितों को अपने डीन/हेड से ऑनलाइन अनुमति लेनी होगी।

20 तक अपडेट करें प्रोफाइल

लविवि प्रशासन ने सत्र 2021-22 में पहले सेमेस्टर में प्रवेश पाने वाले छात्रों से कहा है कि उनका डेटा यूडीआरसी पोर्टल पर अपलोड कर दिया गया है। विद्यार्थी वहां से अपना रोल नंबर, स्टूडेंट आईडी के माध्यम से नया पासवर्ड बनाएं। साथ ही अपना प्रोफाइल अपडेट कर 20 जून तक दूसरे सेमेस्टर में अपना शुल्क बिना फाइन के ऑनलाइन जमा करें।

NBT PAGE 5

15 शिक्षकों का प्रमोशन

एलयू : कार्य परिषद की बैठक में हुआ फैसला

■ एनबीटी, लखनऊ: लखनऊ यूनिवर्सिटी ने मंगलवार को हुई कार्य परिषद की बैठक में 15 शिक्षकों की प्रोन्नति का फैसला लिया गया। इनमें वनस्पति विज्ञान विभाग के सात, जन्तु विज्ञान विभाग में छह और मध्यकालीन और आधुनिक भारतीय इतिहास विभाग से दो शिक्षक शामिल हैं।

एलयू के कुलसचिव डॉ. विनोद कुमार सिंह के अनुसार स्टेज-5 श्रेणी के तहत वनस्पति विज्ञान विभाग के सात शिक्षक प्रोमोट हुए हैं। प्रफेसर बनने वालों में डॉ. अल्का कुमारी, डॉ. रत्ना कटियार, डॉ. शालिनी श्रीवास्तव, डॉ. मो. इसराईल अंसारी, डॉ. श्याम नारायण पाण्डेय, डॉ. राजेश कुमार तिवारी शामिल हैं। इसके साथ ही डॉ. अमित कुमार सिंह को असोसिएट प्रफेसर बनाया गया है। जन्तु विज्ञान विभाग में डॉ. गीतांजलि मिश्रा और डॉ. शैली मलिक को प्रफेसर बनाया गया है। असोसिएट प्रफेसर का पद पाने वालो में डॉ. अमित त्रिपाठी, डॉ. सूचित स्वरूप, डॉ. कल्पना सिंह व डॉ. आशीष कुमार शामिल हैं। इसी तरह, मध्यकालीन और आधुनिक भारतीय इतिहास विभाग से डॉ. शमा महमूद व डॉ. एसएस रिजवी को प्रफेसर बनाया गया है।

एलयू : प्रवेश की दौड़ में 800 विदेशी

■ एनबीटी, लखनऊ: एलयू में प्रवेश के लिए 51 देशों से 800 से ज्यादा आवेदन आए हैं। भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद (आईसीसीआर) के तहत 766 विदेशियों ने एलयू को चुना है। वहीं 35 विदेशियों ने सेल्फ फाइनेंस कटेगरी में प्रवेश के लिए आवेदन किया है। एलयू कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय के अनुसार सेल्फ फाइनेंस में प्रवेश के लिए विदेश से आवेदन अभी आ रहे हैं। ऐसे में संख्या और बढ़ने उम्मीद है। विवि के तकरीबन सभी संकायों में प्रवेश के लिए आवेदन आए हैं। खास बात यह है कि तुर्कमेनिस्तान, लिथुआनिया, गिनी, कोमोरोस, उज्बेकिस्तान, त्रिनिदाद, टोबैगो, अंगोला जैसे देशों से पहली बार आवेदन आए हैं। पिछले साल विदेश से करीब छह सौ आवेदन आए थे। हालांकि कोरोना संक्रमण बढ़ने के कारण अगस्त में अंतरराष्ट्रीय उड़ानें बंद रहने से विदेशी विद्यार्थी नहीं आ सके थे।

इन देशों से आए आवेदन: जापान, मालदीव्स, जाम्बिया, थाईलैंड, बुरुंडी, लिथुआनिया, गिनी, मडागास्कर, कोमोरोस, इथियोपिया, मोरक्को, लाओस, मॉरिशस, सूडान, मलावी, इंडोनेशिया, नेपाल, बांग्लादेश, तंजानिया, विएतनाम, सीरिआ, केन्या, तुर्कमेनिस्तान, चाड, लेसोथो, गैम्बिया, सोमालिया, जॉर्डन, यमन, युगांडा, लाइबेरिया, घाना, बोत्सवाना, रवांडा, कम्बोडिया, श्रीलंका, नाइजीरिया, अंगोला, सिएरा लीओन, मॉरिशस, उज्बेकिस्तान, ताजीकिस्तान, ईरान, ईराक, त्रिनिदाद, टोबैगो, मोजांबिक।

i-NEXT PAGE 4

50 देशों के स्टूडेंट्स की ख्वाहिश है एलयू

i SPECIAL

एलयू में आईसीसीआर के माध्यम से 766 विदेशी स्टूडेंट्स ने किया अप्लाई

lucknow@inext.co.in

LUCKNOW (7 June): लखनऊ यूनिवर्सिटी में आवेदन करने वाले विदेशी छात्रों की संख्या बढ़ी है. सत्र 2022-23 में 766 विदेशी छात्रों के आवेदन आए हैं. अभी तक सेल्फ फाइनेंस के पाठ्यक्रमों में विदेशी छात्रों की संख्या इकाइयों में रहती थी, जो इस बार बढ़कर 35 तक पंहुच गई है.

बढ़ गई है आवेदन तिथि

एलयू में यूजी कोर्सेज में एडमिशन के लिए आवेदन की तिथि 20 जून तक कर दी गई है, लेकिन विदेशी छात्रों के एडमिशन भारतीय सांस्कृतिक सम्बद्ध परिषद (आईसीसीआर) के माध्यम से होते हैं और आईसीसीआर ने 31 मई को ही अपना पोर्टल बंद कर दिया है. हालांकि, विशेष परिस्थिति में अभी भी आवेदन किए जा सकते हैं.

CONCEPT PIC

766 विदेशी छात्रों ने किया एलयू में आवेदन | **125** स्टूडेंट्स कर रहे हैं यहां पढ़ाई

अफ्रीकी देशों से ज्यादा आवेदन

सबसे ज्यादा आवेदन अफ्रीकी देशों से आए हैं. ये आंकड़े पिछले कई वर्षों की तुलना में सर्वाधिक हैं. खास बात यह है कि पहली बार तुर्कमेनिस्तान, लिथुआनिया, गिनी, कोमोरोस, उज्बेकिस्तान, त्रिनिदाद, टोबैगो, अंगोला, सिएरालीओन जैसे देशों से भी छात्रों ने लखनऊ यूनिवर्सिटी में एडमिशन के लिए भी आवेदन हुए हैं. अभी लखनऊ यूनिवर्सिटी में विभिन्न देशों के 125 स्टूडेंट्स पढ़ाई कर रहे हैं.

इन देशों से आए आवेदन

इस बार जापान, मालदीव्स, जाम्बिया, थाईलैंड, बुरुंडी, लिथुआनिया, गिनी, मडागास्कर, कोमोरोस, इथियोपिया, मोरक्को, लाओस, मारिशस, सूडान, मलावी, इंडोनेशिया, नेपाल, बांग्लादेश, तंजानिया, विएतनाम, सीरिआ, केन्या, तुर्कमेनिस्तान, चाड, लेसोथो, गैम्बिया, सोमालिया, जार्डन, यमन, यूगांडा, लाइबेरिया, घाना, बोत्सवाना, रवांडा, कम्बोडिया, श्रीलंका, नाइजीरिया, अंगोला, सिएरा लीओन, मारिशस, उज्बेकिस्तान, ताजीकिस्तान, ईरान, इराक, त्रिनिदाद, टोबैगो, मोजाबिक, अफगानिस्तान सहित 50 देशों से आवेदन आए हैं.

“विदेशी छात्रों को उत्कृष्ट अवसर प्रदान करने के लिए विभिन्न सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं. उनके अकादमिक, भावात्मक एवं अन्य पाठ्य सहगामी विकास के लिए निरंतर प्रयासरत हैं. शोध और शिक्षण में उत्कृष्टता के हमारे प्रयासों की वजह से रिकार्ड आवेदन आए हैं. **प्रो. आलोक कुमार राय,** वीसी, एलयू

कोविड की वजह से कम हुए एडमिशन

बीते वर्ष लगभग 600 छात्रों ने आवेदन किया था. इनमें से लगभग 300 के आने की संभावना थी. पर कोविड के प्रकोप के चलते जुलाई अगस्त में अंतरराष्ट्रीय उड़ानें बंद रही. लिहाजा अधिकांश विदेशी छात्र नहीं आ पाए.

एलयू में 15 जून तक जमा कर सकेंगे यूजी-पीजी फीस

दिया गया ऑनलाइन फीस जमा करने का एक और मौका

lucknow@inext.co.in

LUCKNOW (7 June): लखनऊ यूनिवर्सिटी ने एलएलबी, इंजीनियरिंग और आईएमएस संस्थान के पाठ्यक्रमों को छोड़कर शैक्षिक सत्र 2020-21 के ग्रेजुएशन, पोस्ट ग्रेजुएशन के चौथे, छठे, आठवें तथा 10वें सेमेस्टर के स्टूडेंट्स को ऑनलाइन फीस जमा करने का एक और मौका दिया है. स्टूडेंट्स 15 जून तक बिना लेट फीस यूडीआरसी पोर्टल के माध्यम से आनलाइन जमा कर सकते हैं. रजिस्ट्रार डॉ. विनोद कुमार सिंह ने मंगलवार को निर्देश जारी किए हैं. एलयू कई बार सम सेमेस्टर के छात्र-छात्राओं को फीस जमा करने का मौका दे चुका है. तीन जून तक इसकी समय सीमा बढ़ाई गई थी, फिर भी बहुत से स्टूडेंट्स फीस जमा करने से चूक गए. अब फिर से 15 जून तक समय बढ़ा दिया गया है. स्टूडेंट्स को अपने विषय के अनुसार आनलाइन अनुमति लेकर यूडीआरसी पोर्टल पर यह फीस जमा करनी होगी. इसके लिए यूजी कोर्स के स्टूडेंट्स को संबंधित संकाय के डीन कार्यालय, पीजी कोर्स वालों को विभागाध्यक्ष कार्यालय और संस्थानों में संचालित कोर्स के स्टूडेंट्स को संबंधित संस्थान के निदेशक कार्यालय से संपर्क कर आनलाइन अनुमति लेनी होगी.

HINDUSTAN PAGE 6

एलयू की बढ़ी साख, 50 देशों के छात्र जुड़े

रुझान

लखनऊ, कार्यालय संवाददाता। लखनऊ विश्वविद्यालय में आवेदन करने वाले विदेशी छात्रों की संख्या बढ़ी है। सत्र 2022-23 में 50 देशों के 766 विदेशी विद्यार्थियों के आवेदन आए हैं। सत्र 2022-23 में सबसे ज्यादा आवेदन अफीक्री देशों से आए हैं। तुर्कमेनिस्तान, लिथुआनिया, पपुआ न्यू गिनी, कोमोरोस, उज्बेकिस्तान, त्रिनिदाद और टोबैगो, अंगोला, सिएरा लीओन जैसे देशों से इस बार पहली बार प्रवेश आवेदन मिले हैं।

वहीं अभी तक सेल्फ फाइनेंस के पाठ्यक्रमों में विदेशी छात्रों की संख्या इकाइयों में रहती थी जो इस बार बढ़कर 35 तक पंहुच गई है। आठ सौ से अधिक आवेदन अब तक आए हैं।

एलयू में स्नातक में प्रवेश के लिए आवेदन की तिथि 20 जून तक कर दी गई है लेकिन विदेशी छात्रों के प्रवेश भारतीय सांस्कृतिक सम्बद्ध परिषद (आईसीसीआर) के माध्यम से होते हैं और आईसीसीआर ने 31 मई को ही अपना पोर्टल बंद कर दिया है। हालांकि विशेष परिस्थिति में अभी भी आवेदन किए जा सकते हैं।

लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने कहा कि हमने अंतर्राष्ट्रीय छात्रों को विभिन्न सुविधाएं उपलब्ध कराई हैं। उनके विकास के लिए हम सब निरंतर प्रयासरत हैं।

प्रबंधन की मांग ज्यादा

एलयू में अन्तरराष्ट्रीय सहयोग के निदेशक प्रो. आरपी सिंह ने बताया कि प्रवेश के लिए आवेदन करने वाले विदेशी छात्रों की पहली पसंद मैनजमेंट कोर्स हैं। पिछले वर्ष लगभग छह सौ छात्रों के आवेदन आए थे और लगभग 300 छात्रों के आने की सम्भावना थी लेकिन कोविड के कारण जुलाई अगस्त में उड़ानें बंद रहीं और अधिकांश विद्यार्थी आ नहीं पाये।

एलयू: सेमेस्टर शुल्क 15 तक जमा करें

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के सत्र 2021-22 के सेमेस्टर चार, छह, आठ व दस (एलएलबी, इंजीनियरिंग और आईएमएस पाठ्यक्रमों को छोड़कर) के छात्र-छात्राएं 15 जून तक बिना विलम्ब शुल्क के सेमेस्टर शुल्क जमा कर सकेंगे। स्नातक, परास्नाक और संस्थानों में संचालित पाठ्यक्रमों के छात्र अपनी कक्षा के अनुसार सम्बंधित विभागाध्यक्ष से ऑनलाइन अनुमति लेकर सेमेस्टर शुल्क यूडीआरसी पोर्टल पर लॉगिन कर जमा कर सकेंगे।

PIONEER PAGE 3

दाखिले के लिए 50 देशों से आवेदन

● लखनऊ विश्व विद्यालय में आईसीसीआर के माध्यम से 766 विदेशी स्टूडेंट्स ने किये आवेदन

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

हाल के वर्षों में लखनऊ विश्वविद्यालय ने अंतराराष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बनाई है। जिसके चलते विवि में पढ़ाई करने के लिए कई देशों के छात्रों ने अपनी दिलचस्पी दिखाई है। आईसीसीआर के जरिए इस बार लखनऊ विश्वविद्यालय को 800 से ज्यादा आवेदन मिले हैं। खास बात यह है कि पहली बार तुर्कमेनिस्तान, लिथुआनिया, गिनी, कोमोरोस, उज्बेकिस्तान, त्रिनिदाद, टोबैगो, अंगोला, सिएरालीओन जैसे देशों से भी छात्रों ने लखनऊ यूनिवर्सिटी में एडमिशन के लिए भी आवेदन हुए हैं।

लखनऊ विश्वविद्यालय में आवेदन करने वाले विदेशी छात्रों की संख्या बढ़ी है। सत्र 2022-23 में 766 विदेशी छात्रों के आवेदन आए हैं। वहीं अभी तक सेल्फ फाइनेंस के पाठ्यक्रमों में विदेशी छात्रों की संख्या इकाइयों में रहती थी जो इस बार बढ़कर 35 तक पंहुच गई है। सेल्फ फाइनेंस में अभी और संख्या बढ़ने की उम्मीद विवि ने जताई है। विदेशी छात्रों के एडमिशन भारतीय सांस्कृतिक संबद्ध परिषद आईसीसीआर के माध्यम से होते हैं और आईसीसीआर ने 31 मई को ही अपना पोर्टल बंद कर दिया है। हालांकि विशेष परिस्थिति में अभी भी आवेदन किए जा सकते हैं। सत्र 2022-23 में सबसे ज्यादा आवेदन अफीक्री देशों से आए हैं। यह आंकड़े पिछले कई वर्षों की तुलना में सर्वाधिक हैं।

वर्तमान समय में 125 विदेशी छात्र पढ़ रहे है

अभी लखनऊ यूनिवर्सिटी में विभिन्न देशो के 125 स्टूडेंट्स पढ़ाई कर रहे है। नए शैक्षिक में एडमिशन के लिए आईसीसीआर के माध्यम से 766 विदेशी छात्रों ने यूजी, पीजी व मैनेजमेंट सहित विभिन्न पाठ्यक्रमों के लिए आवेदन किया है। इसके अलावा सेल्फ फाइनेंस कैटेगरी में विभिन्न पाठ्यक्रमों के लिए 35 छात्रों ने फार्म भरा है। अब यूनिवर्सिटी प्रशासन ने इनके प्रवेश की प्रक्रिया शुरू कर दी है।

पिछले साल कोविड की वजह से कम हुए थे एडमिशन

बीते वर्ष लगभग छह सौ छात्रों ने आवेदन किया था। इनमें से लगभग 300 के आने की संभावना थी लेकिन कोविड के प्रकोप के चलते जुलाई अगस्त में अंतरराष्ट्रीय उड़ानें बंद रहीं। लिहाजा अधिकांश विदेशी छात्रों नहीं आ सके।

इन देशों से आए आवेदन

इस बार जापान, मालदीव्स, जाम्बिया, थाईलैंड, बुरुंडी, लिथुआनिया, गिनी, मडागास्कर, कोमोरोस, इथियोपिया, मोरक्को, लाओस, मारिशस, सूडान, मलावी, इंडोनेशिया, नेपाल, बांग्लादेश, तंजानिया, विएतनाम, सीरिआ, केन्या, तुर्कमेनिस्तान, चाड, लेसोथो, गैम्बिया, सोमालिया, जार्डन, यमन, यूगांडा, लाइबेरिया, घाना, बोत्सवाना, रवांडा, कम्बोडिया, श्रीलंका, नाइजीरिया, अंगोला, सिएरा लीओन, मारिशस, उज्बेकिस्तान, ताजीकिस्तान, ईरान, इराक, त्रिनिदाद, टोबैगो, मोजाबिक अफगानिस्तान सहित 50 देशों से आवेदन आए है। विदेशी छात्रों को उत्कृष्ट अवसर प्रदान करने के लिए विभिन्न सुविधाएं उपलब्ध कराई है। उनके अकादमिक, भावात्मक एवं अन्य पाठ्य सहगामी विकास के लिए निरंतर प्रयासरत है। शोध और शिक्षण में उत्कृष्टता के हमारे प्रयासों की वजह से रिकार्ड आवेदन आए है।
प्रो. आलोक कुमार राय, कुलपति लविवि

एलयू में 15 जून तक जमा कर सकेंगे यूजी-पीजी की फीस

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय प्रशासन ने एलएलबी, इंजीनियरिंग और आईएमएस संस्थान के पाठ्यक्रमों को छोड़कर शैक्षिक सत्र 2020-21 के ग्रेजुएशन, पोस्ट ग्रेजुएशन के चौथे, छठे, आठवें तथा 10वें सेमेस्टर के स्टूडेंट्स को ऑनलाइन फीस जमा करने का एक और मौका दिया है। स्टूडेंट्स 15 जून तक बिना लेट फीस यूडीआरसी पोर्टल के माध्यम से आनलाइन जमा कर सकते हैं।विवि के कुलसचिव डॉ. विनोद कुमार सिंह के मुताबिक इससे पूर्व तीन जून तक इसकी समय सीमा बढ़ाई गई थी, फिर भी बहुत से स्टूडेंट्स फीस जमा करने से चूक गए। अब फिर से 15 जून तक समय बढ़ा दिया गया है। स्टूडेंट्स को अपने विषय के अनुसार आनलाइन अनुमति लेकर यूडीआरसी पोर्टल पर यह फीस जमा करनी होगी।

JAGRAN CITY PAGE I & III

चश्मा बदलने की समस्या खत्म, एक लेंस करेगा सारे काम

जागरण विशेष

अखिल सक्सेना ● लखनऊ

- लवि के भौतिक विज्ञान विभाग के शोधार्थी ने तैयार किया फेरोइलेक्ट्रिक नैनो पार्टिकल मिश्रित लिक्विड क्रिस्टल लेंस
- अमेरिकन इंस्टीट्यूट आफ फिजिक्स के जर्नल आफ एप्लाइड फिजिक्स में मई में प्रकाशित हुआ शोधपत्र

भूपेंद्र प्रताप सिंह ने फेरोइलेक्ट्रिक नैनो पार्टिकल मिश्रित लिक्विड क्रिस्टल लेंस तैयार किया ● सौ. स्वयं

अब आपको नजर कमजोर होने या आंखों की पावर घटने-बढ़ने पर बार-बार चश्में का लेंस बदलने की जरूरत नहीं पड़ेगी। एक ही लेंस सारी समस्याओं को दूर कर देगा। लखनऊ विश्वविद्यालय के भौतिक विज्ञान विभाग के शोध छात्र भूपेंद्र प्रताप सिंह ने एक ऐसा ही लेंस तैयार किया है। फेरोइलेक्ट्रिक नैनो पार्टिकल मिश्रित लिक्विड क्रिस्टल लेंस की मदद से यह सभी काम आसान हो जाएंगे।

लेंस को चश्मे पर लगाने के बाद दोनों ओर चिप वाली दो से 10 वोल्ट की बैटरी और रोलर भी लगा होगा। इसकी मदद से आप अपनी पावर सेट कर सकेंगे। बीते पांच मई को अमेरिकन इंस्टीट्यूट आफ फिजिक्स के जर्नल आफ एप्लाइड फिजिक्स में यह शोधपत्र प्रकाशित हुआ है। इस लेंस के पेटेंट की तैयारी चल रही है। शोधार्थी भूपेंद्र प्रताप सिंह लखनऊ विश्वविद्यालय के भौतिक विज्ञान विभाग के प्रो. राजीव मनोहर के नेतृत्व में पीएचडी कर रहे हैं। वह बताते हैं कि लिक्विड क्रिस्टल लेंस पर 2019 से लगातार शोध कार्य जारी है। इस बीच फेलोशिप के अंतर्गत ताइवान एक्सपीरियंस एक्सचेंज प्रोग्राम के तहत 15 नवंबर 2019 से 15 अगस्त 2021 तक नेशनल शांघुवा यूनिवर्सिटी आफ एजुकेशन में शोध कार्य करने का भी मौका मिल चुका है।

ऐसे डिजाइन किया लेंस : भूपेंद्र के मुताबिक, सबसे पहले इंडियन टिन आक्साइड (आइटीओ) कोटेड पाली एथिलीन टेरेफ्थलेट (पीईटी) के 2.5 सेंटीमीटर लंबे और 1.3 सेंटीमीटर चौड़े दो टुकड़े लिए। इनके बीच में लिक्विड क्रिस्टल, फेरोइलेक्ट्रिक नैनो पार्टिकल और पालीमर के मिश्रण को भर दिया। फिर उसके ऊपर अल्ट्रावायलेट (यूवी) लाइट की अलग-अलग तीव्रता व पावर को एक फोटो मास्क की मदद से इसे डाला गया। एक निश्चित तीव्रता पर लेंस तैयार हुआ। प्लास्टिक की लेंस बनाने वाली पेट (पन्नी) पर बना यह साफ्ट लिक्विड क्रिस्टल लेंस बहुत हल्का है। चश्मे की डंडी में लेंस को मात्र दो से 10 वोल्ट की बैटरी से जोड़ा जाएगा। यहीं पर लगे रोलर को घुमाने पर फोकस दूरी सेट की जा सकेगी।

यहां भी हो सकेगा प्रयोग

लिक्विड क्रिस्टल लेंस का प्रयोग करके मोबाइल फोन, कंप्यूटर नेटवर्क से लेकर एंडोस्कोपी और कैंसर सेल डिटेक्टर किट को और भी उन्नत, छोटा व सस्ता बनाया जा सकेगा। शोध छात्र भूपेंद्र बताते हैं कि इससे पहले जो टाइटेनियम डाइआक्साइड मिश्रित क्रिस्टल लेंस तैयार किया था, यह 30 से 40 वोल्ट पर स्टार्ट होता था। उसमें इंडियन टिन आक्साइड कोटेड ग्लास-1.1 एमएम का था, जबकि तैयार किया गया लेंस उससे भी तीन गुणा आकार में छोटा है। कम वोल्टेज में काम करेगा।

प्रथम सेमेस्टर के विद्यार्थियों को अपडेट करना होगा प्रोफाइल

जासं, लखनऊ : शैक्षिक सत्र 2021-22 में प्रथम सेमेस्टर में प्रवेश पाए सभी विद्यार्थियों का डाटा लखनऊ विश्वविद्यालय के यूडीआरसी पोर्टल पर उपलब्ध है। जहां से विद्यार्थियों को अपने अनुक्रमांक, विद्यार्थी आइडी की सहायता से यूडीआरसी पोर्टल पर अपना पासवर्ड बनाकर प्रोफाइल को पूर्ण करना होगा।

यदि किसी विद्यार्थी को अपने व्यक्तिगत विवरण में कोई संशोधन की आवश्यकता है तो उसे भी यूडीआरसी पोर्टल पर संशोधित कर सकते हैं। इस संबंध में कुलसचिव डा. विनोद कुमार सिंह ने मंगलवार को निर्देश जारी किए हैं।

वहीं, द्वितीय सेमेस्टर के भी विद्यार्थियों को अपना शुल्क यूडीआरसी पोर्टल पर आनलाइन अनुमति लेकर 20 जून तक बिना लेट फीस जमा करना होगा।

AMRIT VICHAR PAGE 6

लविवि के शिक्षकों को मिली पदोन्नति

अमृत विचार, लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के कार्य परिषद की बैठक मंगलवार को हुई। इस दौरान शिक्षकों के प्रमोशन को लेकर अहम निर्णय लिया गया। जिसमें वनस्पति विज्ञान और जन्तु विज्ञान विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर और एसोसिएट प्रोफेसर की प्रोन्नति पर मोहर लगायी गई। दोनों विभागों के तीन एसोसिएट प्रोफेसर और 12 असिस्टेंट प्रोफेसर को स्टेज पांच, चार और दो प्रोन्नति की गई है। वनस्पति विज्ञान विभाग की डॉ. अल्का कुमारी, डॉ. रत्ना कटियान, डॉ. शालिनी श्रीवास्तव, मो. इसराईल अंसारी, डॉ. श्याम नारायण पाण्डेय, डॉ. राजेश कुमार तिवारी को प्रोफेसर स्टेज - 5 पर प्रोन्नत किया गया है। इसी विभाग के डॉ. अमित कुमार को असिस्टेंट प्रोफेसर स्टेज दो पर प्रोन्नति मिली।

लविवि ने छात्रों को दिया फीस जमा करने का मौका

अमृत विचार, लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय ने एलएलबी, इंजीनियरिंग और आईएमएस संस्थान के पाठ्यक्रमों को छोड़कर शैक्षिक सत्र 2020-21 के ग्रेजुएशन, पोस्ट ग्रेजुएशन के चौथे, छठे, आठवें तथा 10वें सेमेस्टर के छात्रों को ऑनलाइन फीस जमा करने का मौका दिया है। छात्र 15 जून तक बिना लेट फीस यूडीआरसी पोर्टल के माध्यम से आनलाइन जमा कर सकते हैं। कुल सचिव डॉ. विनोद कुमार सिंह ने मंगलवार को निर्देश जारी किए है।

SWATANTRA BHARAT PAGE 5

50 देशों के 800 स्टूडेंट्स एलयू में चाहते हैं एडमिशन

स्वतंत्र भारत ब्यूरो लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में नए सत्र 2022 में ब?ी संख्या में विदेशी स्टूडेंट्स ने एडमिशन के लिए अप्लाई किया है। रु यानी लखनऊ यूनिवर्सिटी अब ग्लोबल स्टूडेंट्स की पसंद बनता जा रहा है। दुनियाभर के 50 देशों के स्टूडेंट्स यहां एडमिशन के लिए अप्लाई कर चुके हैं। खास बात यह है कि इनमें जापान, मॉरीशस, थाईलैंड और इंडोनेशिया जैसे देश भी शामिल हैं। 31 मई को तक लखनऊ यूनिवर्सिटी को 810 से ज्यादा आवेदन मिल चुके हैं। लखनऊ यूनिवर्सिटी में विदेशी स्टूडेंट्स के ज्यादातर आवेदन विदेश मंत्रालय के विंग ढ्ढष्टष्टक्र यानी भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद से आते हैं। कुछ आवेदन डायरेक्ट सेल्फ फाइनेंस बेस से आए हैं। दोनों ही माध्यम से सम्बंधित देश के दूतावास से अप्रूवल के बाद ही एडमिशन होते हैं। इस बार ढ्ढष्टष्ट माध्यम से 766 एप्लीकेशन और सेल्फ फाइनेंसिंग के जरिए भी 35 लोगों ने अप्लाई किया है। इस बार जापान, मालदीव, जाम्बिया, थाईलैंड, बुरुंडी, लिथुआनिया, गिनी, मडागास्कर, कोमोरोस, इथियोपिया, मोरक्को, लाओस, मॉरिशस, सूडान, मलावी, इंडोनेशिया, नेपाल, बांग्लादेश, तंजानिया, विएतनाम, सीरिआ, केन्या, तुर्कमेनिस्तान, चाड, लेसोथो, गैम्बिया, सोमालिया, जॉर्डन, यमन, यूगांडा, लाइबेरिया, घाना, बोत्सवाना, रवांडा, कम्बोडिया, श्रीलंका, नाइजीरिया, अंगोला, सिएरा लीओन, मॉरिशस, उ?बेकिस्तान, ताजीकिस्तान, ईरान, इरा , त्रिनिदाद और टोबैगो, मोजांबिक और अफगानिस्तान समेत करीब पचास देशों से आवेदन आए हैं। एडमिशन प्रभारी प्रो. आरपी सिंह ने दावा किया कि स्थापना के 101 साल पूरे कर चुके लखनऊ यूनिवर्सिटी की लिए यह एक अचीवमेंट है। यूनिवर्सिटी अब इंटरनेशनल फोरम में जाना पहचाना नाम है। पिछले साल भी 600 से ज्यादा आवेदन हमें मिले थे। मगर, कोरोना और कुछ अंतरराष्टीय कारणों से फ्लाइट बंद रही। यही कारण रहा कि स्टूडेंट्स समय से भारत नहीं आ सके। उम्मीद है कि इस बार विदेशी स्टूडेंट्स की रु में अभूतपूर्व संख्या रहेगी।

-जापान समेत अफ्रीकी स्टूडेंट्स की पसंद बना लखनऊ यूनिवर्सिटी; मैनेजमेंट में ज्यादातर का रुझान

एलयू में कब कितने विदेशी स्टूडेंट्स ने लिए एडमिशन

2021 - फॉर्म भरे - 600, एडमिशन लिया- 35,
2020 - फॉर्म भरे- एनए, एडमिशन लिया- 70,
2019 - फॉर्म भरे -एनए , एडमिशन लिया- 55,
2018 - फॉर्म भरे - एनए, एडमिशन लिया- 10,
2022 - फॉर्म भरे - 800 , एडमिशन लिया-

कुलपति बोले- इंटरनेशनल स्टूडेंट्स को दे रहे सुविधाएं

प्रो.अलोक कुमार राय के मुताबिक, लखनऊ यूनिवर्सिटी में इंटरनेशनल स्टूडेंट्स को स्तरीय सुविधाएं मुहैया कराई जा रही हैं। उनको एकेडमिक, भावात्मक और तमाम सहूलियत देने के मकसद से लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। रिसर्च और क्वालिटी एजुकेशन में हमारा फोकस इन रिकॉर्ड एडमिशन एप्लिकेंट की संख्या को दर्शा रहा है।

HINDUSTAN TIMES PAGE 2

800 foreign students apply for admission to Lucknow University

HT Correspondent
letters@htlive.com

LUCKNOW : Foreign students from more than 50 countries have already applied for admission to Lucknow University (LU) for 2022-23 academic session. The university claims that more than 800 applications have been received from foreign students till May 31 through the Indian Council for Cultural Relations (ICCR).

"A total of 766 foreign students have applied for various courses. The interesting thing is that in addition to these, around 35 students have themselves applied for various courses in the self-finance category whereas in the past years the number of self-funded applications remained far too less," said LU spokesperson Durgesh Srivastava.

Foreign students are still applying to the self-finance category and this number is likely to increase. As far as courses are concerned, there are applications in almost all the faculties of the university.

Most of the applications are from African countries.

"Last year, nearly 600 students had applied and about 300 students were expected to come but due to the outbreak of Covid-19, international flights were closed in July-August and most of the foreign students could not come. Around 38 foreign students and the year before 70 students took admission in LU," said Srivastava.

LU vice chancellor Prof Alok Kumar Rai said, "We have provided various facilities to give excellent opportunities to international students. We are constantly striving for their academic, emotional and other co-curricular development."

TRUE TIMES PAGE 2

लखनऊ विश्वविद्यालय में अब 15 जून तक जमा कर सकेंगे यूजी व पीजी की फीस

लखनऊ।। लखनऊ विश्वविद्यालय ने एलएलबी, इंजीनियरिंग और आइएमएस संस्थान के पाठ्यक्रमों को छोड़कर शैक्षिक सत्र 2020-21 के स्नातक, परास्नातक चौथे, छठे, आठवें तथा 10वें सेमेस्टर के विद्यार्थियों को आनलाइन फीस जमा करने का एक और मौका दिया है। विद्यार्थी 15 जून तक बिना लेट फीस यूडीआरसी पोर्टल के माध्यम से आनलाइन जमा कर सकते हैं। कुलसचिव डा. विनोद कुमार सिंह ने मंगलवार को निर्देश जारी किए हैं।

लवि कई बार सम सेमेस्टर के छात्र-छात्राओं को फीस जमा करने का मौका दे चुका है। तीन जून तक इसकी समय सीमा बढ़ाई गई थी। फिर भी बहुत से विद्यार्थी चूक गए। इसको लेकर छात्र परेशान थे और तिथि बढ़ाने की मांग कर रहे थे। अब फिर से 15 जून तक समय बढ़ा दिया गया है। विद्यार्थियों को अपनी कक्षा के अनुसार आनलाइन अनुमति लेकर यूडीआरसी पोर्टल पर यह शुल्क जमा करना होगा।

इसके लिए स्नातक पाठ्यक्रम के विद्यार्थियों को संबंधित संकाय के अधिष्ठाता कार्यालय, परास्नातक पाठ्यक्रम वालों को विभागाध्यक्ष कार्यालय और संस्थानों में संचालित पाठ्यक्रम के विद्यार्थियों को संबंधित संस्थान के निदेशक कार्यालय से संपर्क कर आनलाइन अनुमति लेनी होगी। कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने छात्र हित में तिथि बढ़ाने के आदेश दिए हैं।

पोषण वाटिका बनाने के लिए हुआ बीज वितरण : लखनऊ विश्वविद्यालय के वन्य जीव विज्ञान संस्थान ने पोषण वाटिका के निर्माण को बढ़ावा देने के लिए मंगलवार को निवेदिता छात्रावास से बीज वितरण कार्यक्रम आयोजित किया। इस दौरान लोगों को पालक, टमाटर, तोरई, लौकी, करेला, धनिया, लोबिया के बीज वितरित किए गए। संस्थान की समन्वयक प्रोफेसर अमिता कनौजिया ने बताया कि 'प्लाट से थाली' कान्सेप्ट के अंतर्गत पोषण वाटिका के निर्माण के लिए यह कार्यक्रम आयोजित किया गया है। लोगों को बीज वितरित किए गए ताकि जिनके पास जमीन व थोड़ी भी जगह है वे इन सब्जियों को अपने यहां लगाकर किचन गार्डन विकसित कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि हम सब्जी को खेत से शहर में लाने के लिए काफी ऊर्जा और ईंधन बर्बाद करते हैं। उसी ऊर्जा को बचाने के लिए कॉन्सेप्ट है प्लाट टू प्लेट। जिसके अंतर्गत रसोई, बगीचे यानी पोषण वाटिका पर जोर दिया जा रहा है।